निदेशक की कलम से

मित्रों

वर्ष 2018–19 का भारतीय जन सेवा आश्रम का वार्षिक प्रतिवेदन अध्ययन हेतु आपके समक्ष प्रस्तुत हैं। प्रतिवेदन में वर्तमान कठिन परिस्थितियों में संस्था द्वारा किये गये प्रयासो तथा सामना की गयी चुनौतियों का संक्षिप्त विवरण है। इस अवधि के दौरान संस्था द्वारा की गयी गतिविधियों के परिणाम, उपलब्धि एवं प्रभाव को भी प्रकाश में लाया गया हैं। संस्था ने दलित,उपेक्षित एवं महिला व गरीब समुदाय के लिए उ0प्र0 के, खास करके जौनपुर, प्रतापगढ, सुल्तानपुर एवं शाहजंहांपुर जिले में अपनी सक्रिय भूमिका अदा की है जिसमें राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारण्टी अधिनियम, सूचना का अधिकार अधिनियम, घरेंलू महिला हिंसा अधिनियम, पंचायती राज अधिनियम, भूमि एवं मजदुरी अधिकार, महिलाओं एवं दलित उपेक्षित का मान सम्मान एवं अधिकार आधारित कानून, प्राथमिक शिक्षा में सुधार आदि के प्रभावी क्रियान्वयन द्वारा समुदाय को सशक्त बनाने में व्यस्त रही है। संस्था समुदाय को अपनी मदद खुद करने, उन्हे मानसिक रूप से जागरूक करने के लिए प्रोत्साहित करती रही है। सरकारी तन्त्रों ने सहयोगात्मक रूख अपनाते हुये कई बार अपने दायित्वों का निर्वाह किया है लेकिन बहुत बार समुदाय को परेशान भी किया है और उसका रूख बिल्कुल अलग रहा है। दलित परिवारों, महिलाओं किशोरों एवं लड़कियों के मानसिक विकास को अधिक महत्व दिया गया है हालांकि उनकी समस्या बडी गंभीर है। दलित समुदाय के लाभ एवं सामाजिक परिर्वतन मे यथोचित हिस्सेदारी एवं प्राकृतिक संसाधनों के स्वामित्व में हिस्सेदारी में अभी समय लगेगा। शिक्षा का अभाव, कानून एवं नियमों की जानकारी का अभाव, व्यवस्था पर पकड़ का अभाव, प्राकृतिक संसाधनों पर स्वामित्व का अभाव दलित समुदाय को दयनीय स्थिति में बने रहने को मजबूर करता है, परन्तु उपरोक्त के बावजूद आपको यह जानकारी देते हुए हमें प्रसन्नता हो रही है कि हमारे द्वारा किये गये छोटे से प्रयास के अच्छे एवं सकारात्मक परिणाम आये हैं। साथ ही साथ कई जगहों पर विशेष उपलब्धियाँ भी हासिल हुई हैं। हम आभारी हैं उन दाता संस्थाओं के, खासकर मिजोरियोर, नेशनल लैण्ड कोआलिशन, स्वाधिकार/एन.सी.डी.एच.आर., सहभागी शिक्षण केन्द्र यूरोपियन यूनियन, इम्पैक्ट, सर दोराव जी टाटा टस्ट्र, उत्तर प्रदेश राज्य एड्स कन्ट्रोल सोसाइटी, जिन्होंने उदारता पूर्वक हमें सहयोग किया है। हम अभारी हैं उन अन्तर्राष्ट्रीय, राष्ट्रीय एवं राज्य स्तरीय नेटवर्क संस्थाओं एवं दलित नेटवर्क/ संस्थाओं के जिन्होने संयुक्त प्रयास के लिए हमें नैतिक बल प्रदान किया है। हम आभारी हैं अपनी संस्था के कार्यकारी दल, समुदाय, खास करके महिला

पंचायत प्रतिनिधियों, सरकारी अधिकारी, कर्मचारी, मीडिया एवं स्थानीय संगठन के जिन्होंने हमारे कार्यक्रम में भाग लेकर हमारे प्रयास को सार्थक किया एवं समाज में विकास प्रक्रिया की दिशा में दलित उपेक्षित समुदाय के हित में अमूल्य पहल की है। इस वर्ष ब्लाक व जिला प्रदेश स्तर पर सरकार के साथ अच्छे सम्बन्ध विकसित किए हैं और सरकार द्वारा आयोजित विभिन्न विकास कार्यक्रमों में प्रमुख भूमिका निभाई है। हमारे स्वयं सहायता समूहों, पंचायती राज संस्थाओं की उपसमितियों एवं समुदाय आधारित समितियों ने कुछ क्षेत्रों में सरकारी विभागों के साथ प्रशंसनीय मेल–जोल व विकास दर्शाया है परन्तु अभी विकास के मार्ग पर हमें बहुत दूर जाना है। अन्त में मैं अपने सभी सहयोगियों को उनके आर्थिक सहयोग, मार्गदर्शन व सहायता के लिए हृदय से आभार व्यक्त करता हूं साथ ही मैं अपने कार्यकर्ताओं व शुभ चिन्तकों को भी धन्यवाद देता हूँ जिन्होने निष्ठा व लगन के साथ हमें अपने मार्ग पर आगे बढ़ने हेतु प्रेरित किया।

धन्यवाद

दौलत राम

भारतीय जन सेवा

आश्रम, बदलापुर जौनपुर

भारतीय जन सेवा आश्रम

पृष्ठभूमि

भारतीय जन सेवा आश्रम एक गैर राजनैतिक गैर सरकारी अलाभकारी स्वयं सेवी संस्था हैं जो सोसायटी रजिस्ट्रेशन एक्ट (21) 1880 के अन्तर्गत पंजिकृत संस्था। यह संस्था पिछले 24 वर्षो से उ.प्र. के जौनपुर, प्रतापगढ, सुल्तानपुर एवं शाहजंहांपुर के अलग अलग विकास खण्डो जैसे बदलापुर, महराजगंज, रामपुर, रामनगर, बरसठी, मडिंयाहू, सरकोनी मुफ्तिगंज, खुटहन, बक्शा, धर्मापुर मछली शहर, आसपुर देवसरा, कादीपुर, अखण्ड नगर आदि सहित लगभग 20 विकास खण्डों के 180 गांव में गरीब शोषित उपेक्षित एवं दलित समुदाय के साथ सामाजिक परिर्वतन, मानसिक बदलाव एवं गरीबी उन्मूलन की दिशा में कार्यरत है। पिछली शताब्दी के अन्तिम दशक में जिन्होने और जिनके परिवारों ने अत्याचार सहे है वह आज सम्मान के लिए एवं अपनी आर्थिक दयनीयता के उबरने के लिए एक जुट होने लगे और समस्याओं के समाधान के लिए विचार विमर्श करने लगे। कइयों को विरोध का स्वर उठाने में डर था और वह सामन्तियो एवं अफसरशाहो से भयभीत थे। इन्ही परिस्थितियों ं में अपमान एवं उपेक्षा के शिकार दौलत राम एवं साथियों ने समूह का नेतृत्व किया। फिर समान विचार धारा के लोगों से सर्म्पक हुआ। उनमें से कुछ सामाजिक सरोकार रखते थे और इसके क्रियाकलापों से परिचित थे। बाबा साहब डा0 भीम राव अम्बेडकर एवं अन्य महापुरूषों के साहित्य से नैतिक बल मिला। इस सामाजिक परिवर्तन की दिशा की गति में अवरोध न हो इसके लिए 1992 में संस्था का रजिस्ट्रेशन हुआ।

भारतीय जन सेवा आश्रम विगत वर्षो से विकास की प्रक्रिया की दिशा में जनपद के ग्रामीण क्षेत्रों में जन सहभागिता के साथ महिला, गरीब, दलित, शोषित एवं उपेक्षित परिवारों की जीवन शैली में सुधार एवं बदलाव लाने की दिशा में सक्रियता के साथ प्रयास कर रहा है। वर्तमान में भारतीय जन सेवा आश्रम की स्वैच्छिक जगत में दलित मुददों पर कार्य करने वाली संस्था के रूप में जिलें, राज्य, ंराष्ट्रीय व अर्न्तराष्ट्रीय स्तर पर एक खास पहचान है।

संस्था का मुख्य प्रयास है कि पिछडे दलित उपेक्षित समुदाय की न्यूनतम स्तर की आवश्यकता जैसे रोटी कपड़ा मकान और शिक्षा सुरक्षा सम्मान साथ ही बौद्विक विकास एवं निरोग जीवन जीने तक की आवश्यकता पूरी हो सकें उपरोक्त

परिकल्पना को साकार करने की दिशा में खास करके समुदाय के युवक युवतियों, वृद्ध एवं बच्चों में सहभागिता के आधार पर नेतृत्व लाकर आगें आने की प्रेरणा देने व जागरूक करने के लिए कार्यक्रम चलाया जा रहा है जिसमें सामाजिक, आर्थिक, राजनैतिक, सांस्कृतिक, वैचारिक एवं शैक्षणिक जागरूकता फैले और साथ ही साथ ग्रामीण समुदाय में संवेदनशीलता, आत्मनिर्भरता, सुरक्षा एवं सम्मान का भाव पैदा हो जिससे गांव से लेकर राष्ट्र स्तर तक अखण्ड एवं आत्म निर्भर समाज का निर्माण हो सके।

संस्था का उददेश्य

• राष्ट्रीय एकता, अखण्डता, शान्ति एवं आपसी सद्भाव का विकास करना।
• बालक बालिकाओं के विविध विकास हेतु अनुकूल वातावरण पैदा करना।
• पर्यायवरण की दृष्टि से विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी का शोध एवं प्रचार प्रसार करना।
• राष्ट्रीय विकास के कार्यक्रमों एवं समाज कल्याण के कार्यक्रमों में सहयोग प्रदान करना।
• असहाय एवं उपेक्षित लोगों की सेवा करना तथा स्वाभिमान की भावना जागृति करना।
• कार्य क्षेत्र के कमजोर वर्गो एवं गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन करने वाले परिवारों के सर्वागींण विकास हेतु विकास कार्यक्रम का संचालन करना।
• दलित, उपेक्षित एवं गरीब परिवारो को शिक्षित संगठित एवं जागरूक करके मानवीय जीवन जीने व समाज की मुख्य धारा से जोडने हेतु उपयुक्त वातावरण का निर्माण करना।

संस्था का विजन

समानता एवं आत्मविश्वास के आधार पर स्वायत्व एवं स्वावलम्बी समाज का निर्माण ।

संस्था का मिशन

संस्था का लक्ष्य है कि समुदाय जिनके वे हकदार हैं उनकी मांग कर सकें और उनका लाभ उनको मिल सकें ।

संस्था का हस्तक्षेप

विकास की प्रक्रिया में समुदाय का सशक्तिकरण एक प्रक्रिया मानते हुये संस्था स्थानीय एवं जमीनी स्तर पर समूह एवं संगठन के निर्माण के द्वारा समुदाय की भागीदारी सुनिश्चित करने की सोचती है। संस्था महिलाओं को लाभार्थी बनाते हुये विकास समुहो का निर्माण एवं विकास की गतिविधिया करती हैं। साथ ही जागरूकता विकास, क्षमता विकास कार्यशाला, नेटवर्किगं, स्थानीय संगठनों एवं सरकारी विभागों से तालमेल के कार्यक्रम करके समुदाय के बीच सीधे हस्तक्षेप करती है ।

कार्यक्रम क्रियान्वयन :

वर्ष 2018–2019 की अवधि में सभी कि सहभागिता के साथ मुख्यतः निम्नलिखित कार्यक्रम किये गये:

1–दलित सशक्तिकरणः दलित सशक्तिकरण में संस्था की अहम भूमिका है। संस्था का सबसे ज्यादा झुकाव व कार्य इसी पर आधारित है। इस कार्यक्रम में दलित समुदाय के सामाजिक, मानसिक, राजनैतिक एवं आर्थिक परिर्वतन हेतु ग्रामीण स्तर से राज्य स्तर तक लगातार पहल करने का प्रयास हैं जो निम्न हैं–

विभिन्न महापुरूषों के **जयन्ती समारोह :**

दलित समाज के उत्थान एवं सामाजिक परिवर्तन के लिए जिन भी महापुरुषों ने अपना योगदान दिया हैं उनकी जयन्ती सामारोह के माध्यम से उनके प्रयास योगदान एवं उनके बताये मार्ग का अनुसरण करने हेतु प्रेरित किया जाता है। जैसे डा. भीम राव अम्बेडकर जयन्ती समारोह 18 अप्रैल, सावित्री बाई फूले परिनिर्माण दिवस 10 मार्च, मा. कांशी राम जयन्ती, रविदास जयन्ती बुद्व पूर्णिमा शामिल हैं ।

सांस्कृतिक कार्यक्रम का संचालन :

जौनपुर, प्रतापगढ एवं शाहजंहांपुर जिलों में सांस्कृतिक टीम के माध्यम से लगभग 60 गाँवों में दलित समुदाय को जागरूक करने के उददेश्य से गीत नुक्कड, नाटक व कठपुतली भाषण कार्यक्रम किया गया और सघन रूप से जागरूकता फैलाई गयी जो निम्न हैं।

अनुसूचित जाति / जनजाति एक्ट पर प्रशिक्षण

दिनांक 3 फरवरी 2019 को जौनपुर जिले के 45 युवक व युवतियो को एक दिन का अनुजाति /जनजाति अत्याचार निवारण अधिनियम एवं संशोधित अधिनियम 2015–16 पर व्यापक जानकारी दी गयाी एवं एक रणनीति भी तैयार की गयी। यह प्रशिक्षण भारतीय जन सेवा आश्रम प्रशिक्षण केन्द्र बदलापुर में आयोजित किया गया।

राज्य स्तरीय संस्थाओं एवं संगठनो के साथ अनुसूचित जाति/जनजाति अत्याचार निवारण पर दो दिवसीय प्रशिक्षण

दिनांक 12 व 13 फरवरी 2019 को उत्तर प्रदेश के सात जिलो से 40 स्वैच्छिक संस्थाओं एवं संगठनों के साथ दो दिवसीय अनुसूचित जाति/जनजाति अत्याचार निवारण एक्ट पर प्रशिक्षण का आयोजन किया गया जो भारतीय जन सेवा आश्रम के प्रशिक्षण बदलापुर में आयोजित किया गया। इसमे संस्थाओं ने इस मुद्दे पर कार्य करने हेतु सहमती भी जतायी व एक योजना भी बनाई ।

2. महिला सशक्तिकरण

सावित्री बाई फूले परिनिर्वाण दिवस एवं अर्न्तराष्ट्रीय महिला दिवस :

संस्था के महिला संगठनो द्वारा 10 मार्च के अवसर पर जो सावित्री बाई फूले का परिनिर्वाण दिवस के अवसर पर दलित महिलाओं का सम्मेलन किया गया। जिसमें लगभग 3500 से अधिक महिलाओ, 615 पुरूषों और 350 बच्चों ने भाग लिया। इस सम्मेलन का मुख्य विषय था घरेलू महिला हिंसा, मनरेगा में महिलाओं की भागीदारी और महिलाओं पर बढ रहे शोषण और अत्याचार के खिलाफ लडाई था। साथ ही साथ एस0डी0एम0 को ज्ञापन भी दिया गया।

स्वयं सहायता समूहों का गठन का संचालन :

जौनपुर जिले के बदलापुर व महराजगंज ब्लाक में कुल 80 दलित महिलाओं का स्वयं सहायता समूह चल रहा है। जिसमें 1050 दलित महिलायें समूह की सदस्य हैं जिसमें 6 लाख से ज्यादा बचत हैं। इस समूह के माध्यम से महिलाओं को जागरूक किया जाता है। यह समूह गाँव में दबाव समूह का कार्य करता है। गाँव की समस्याओं के निराकरण में यह समूह बढ़ चढ़ कर भाग लेता है। सरकारी योजनाओं में किसी भी तरह की गड़बड़ी की जानकारी होने पर समूह दबाव बनाते हैं।

नेटवर्किगं :

दलित समुदाय में संगठन बनाने के उददेश्य से खेतिहर मजदूर यूनियन, महिला मुक्ति मोर्चा का गठन किया गया। इसके साथ गाँव–गाँव महिला समूह व दबाव समूह का भी गठन किया गया है जो 75 गाँव में हैं। इसके अलावा राज्य स्तर पर दलित सक्रिय महिला कार्यकर्ताओं का नेटवर्किगं हेतु प्रयास किया गया

महिला साक्षरता कार्यक्रम– (तारा अक्षर)

यह कार्यक्रम निरक्षर महिलाओं के साथ कार्य कर रहा है जिसमें 56 दिनों में हिन्दी और गणित की मूलभूत जानकारी दी जाती है । इसमें लैपटाप के माध्यम से उनको पढाया जाता है और उनका परीक्षा होता है और उनको प्रमाण पत्र भी दिया जाता है और उनको शिक्षा एवं अधिकार के लिए जागरूक किया जा रहा है । इसमें अब तक लगभग 4500 महिलाओं को साक्षर कर दिया गया है।

बालिका शिक्षा कार्यक्रम–

यह कार्यक्रम जौनपुर और षांहजहांपुर के 8 विकास खण्डों के 110 गांव 3300 बच्चियां जिसमें 6 से 14 वर्ष की बच्चियों को कक्षा– 1 से कक्षा–5 को नि:शुल्क एवं गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देकर उनको शिक्षा की मुख्य धारा से जोडनें का प्रयास किया जा रहा है। इसमें प्रत्येक गांव की 30 बच्चियों को चार घण्टे प्रतिदिन पढाया जा रहा है और उनका परीक्षा प्रत्येक तीन माह में कराई जाती है।

लक्षित हस्तक्षेप कार्यक्रम–

यह कार्यक्रम उत्तर प्रदेष राज्य एडस नियन्त्रण सोसायटी के सहयोग से जौनपुर के तीन विकास खण्ड एवं शहरी क्षेत्र में एच0आई0वी0/एडस एवं यौन संचरित रोगों का प्रशिाक्षित डाक्टरो द्वारा नि:शुल्क जांच,उपचार परार्मश एवं बचाव के लिए जागरूक किया जा रहा है जिसमें 750 महिलाओं एवं 150 पुरूषों के साथ कार्य किया जा रहा है।

दलित आदिवासी संस्थाओं एवं संगठनो का क्षमता वृद्वि कार्यक्रम–

स्वाधिकार/युरोपियन युनियन के सहयोग से जौनपुर एवं प्रतापगढ में दलित आदिवासी महिलाओं एवं बच्चों के साथ साथ एवं दलित संस्थाओं / संगठनों की क्षमता वृद्वि की जाती है। इसका उद्देश्य उनके कार्य क्षेत्र में हो रहे अत्याचार को रोकना एवं पीडितो को न्याय दिलाने हेतू अग्रसर होना तथा स्कूलो में हो रहे बच्चों के साथ जातिगत छुआ छूत पर लगाम लगाना इत्यादि हैं ।

किशोर, किशोरी शिक्षा विकास कार्यक्रम :

किशोर किशोरी शिक्षा विकास कार्यक्रम महराजगंज ब्लाक के 25 गांव में चलाया जा रहा है। जिसमे 10 गांवों में प्रेरणा केन्द्र का संचालन किया गया है । इस केन्द्र में स्कूली पढाई के साथ उनके जीवन सम्बन्धी एव सामाज की परख जैसेः जीवन कौशल, कानून, पंचायतीराज, नशा, घरेलू महिला हिंसा, बोल चाल की भाषा, अंधविश्वास, जेण्डर, जातिवाद, अंग्रजी, कैरियर, इत्यादि विषयों पर उनमें समझ बनाना है। साथ ही समाज में चल रही बुराईयों पर आवाज उठाना एवं अपने गांव की गतिविधियों में बढ चढ कर हिस्सा लेना और उनके अन्दर से झिझक एवं डर को दूर करना इत्यादि हैं ।

ग्राम स्तरीय किशोर किशोरियों की बैठक :

किशोर किशोरी को एस.एम.सी. के विषयों में जानकारी देना ,सामाजिक ढांचा तथा रीतिरिवाज एवं कुरीतियों की पहचान कर परिवर्तन करना इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य है। साथ ही 11 आयामों की समझ विकसित करना तथा समाज के प्रति जिम्मेदार बनना, अपनी उर्जा को सही स्थान पर इस्तेमाल कर पहचान बनाना और हक अधिकार के बारे में जानकर उसका सही दिशा में प्रयोग करना भी इस कार्यक्रम का उद्देश्य है। किशोर किशोरी इन सब कौशलों का इस्तेमाल गाँव के विकास के लिए चल रही योजनाओं की जानकारी इक्कठी करके उन्हें गाँव वालो को दिलाते हैं।

ब्लाक स्तरीय किशोर किशोरी की बैठक :

इन बठकों का मुख्य उद्देश्य किशोर किशोरी का नेतृत्व विकसित करके ब्लाक स्तरीय संगठन तैयार करना हैं और अपने हक अधिकार के उन्हें तैयार करना है। इसके साथ और भी किशोर किशोरी साथी को आगे लाना,उन्हें भेदभाव पर जागरूक करना और समाज में चल रही कुरीतियों को दूर करने के लिए नुक्कड नाटक के माध्यम से ग्राम एवं ब्लाक स्तर पर समाज को जागरूक करना है।

शिक्षक प्रशिक्षण :

भारतीय जन सेवा आश्रम द्वारा चलाये जा रहे किशोरियों के शिक्षा केन्द्रों के संलालन हेतु अध्यापकों का आवासीय प्रशिक्षण भारतीय जन सेवा आश्रम प्रशिक्षण केन्द्र में हर तिमाही किया जाता है जिसमें चार विकास खण्डों के अनुदेशिकायें होती हैं। साथ ही साथ राज्य एवं जिला स्तर के संस्थाओं /संगठनों का प्रशिक्षण किया जाता है।

3. **ग्राम स्तरीय किशोर किशोरी की बैठक–**

किशोर किशोरी शिक्षा विकास कार्यक्रम के माध्यम से चलाये जा रहे बीस केन्द्रों के प्रत्येक गांव मे प्रत्येक माह शिक्षण किया जाता है। जिसमें 2018–19 में 360 किशोर किशोरी शामिल हुए हैं। जिसमें खुद की **शि**क्षा और सामाजिक कुरितियों पर अध्ययन और तर्क करते है और अन्धवि**श्**वास और जेन्डर को लेकर सवेंदित होते हैं। साथ ही साथ में गांव के समस्या को लेकर सवेंदित होतें हैं ।

किशोरी केन्द्र का संचालन :

बदलापुर एवं महराजगंज ब्लाक के 25 गांव मे 25 केन्द्र हैं जिसमें एक गाँव में औसतन 10 किशोर और 10 किशोरीयां हैं। कुल 500 किशोर और किशोरीयां शामिल हैं। इस केन्द्र पर किशोरीयों के स्वास्थ्य सम्बन्धि जानकारी उनके कौशल विकास की जानकारी आदि दी जाती है साथ ही साथ किशोरीयों को स्कूल जाने के लिए प्रेरित किया जाता है।

प्राइमरी स्कूल में बच्चों के नामांकन हेतु नामांकन अभियान :

जौनपुर जिले के बदलापुर व महराजगंज ब्लाक में 1 जूलाई से 30 जूलाई 2018–19 तक गाँव–गाँव में संस्था के कार्यकर्ता, स्वैच्छिक कार्यकर्ता व बच्चों द्वारा स्कूल चलो अभियान अभियान चलाया गया जिसमें किशोर और किशोरी मंच के सहयोग से स्कूल चलो अभियान चलाकर बच्चों का नामांकन कराया गया।

प्राइमरी स्कूलो में पढनें वालो बच्चों हेतु सर्पोट सेन्टर :

जौनपुर जिले के बदलापुर व महराजगंज ब्लाक के चार गाँव कस्तुरीपुर, लमहन, फत्तुपुर व भटपुरा गाँव में दलित बच्चों को स्कूल में नियमित भेजने एवं उनको पढाई में गुणवत्ता लाने हेतु गाँव में सर्पोट सेन्टर का संचालन किया गया जिसमें 45 बालक एवं 65 बालिका कुल 110 बच्चे अध्ययन कर रहे हैं। यह केन्द्र पार्ट टाइम चलाया जा रहा है। जौनपुर जिले के बदलापुर व महराजगंज ब्लाक के तीन

गाँव में ऊदपुर गेल्हवा, उमरी खुर्द एवं लमहन में दलित एवं मुस्लिम किशोरीयां जो स्कूल नहीं जा पा रहीं थी उन्हे गाँव में ही शिक्षा केन्द्र खोलकर उन्हे पढाई में दक्ष बनानें की प्रक्रिया चलाई गयी। साथ ही साथ उन्हे स्वास्थ्य एवं उनके अधिकारों के विषय में भी जागरूक किया गया। साथ ही महराजगंज ब्लाक के 10 गाँव में किशोर किशोरीं का गाँव में ही उनके कौशल विकास हेतु किशोरी केन्द्र का संचालन किया जा रहा है।

बाल शैक्षणिक भ्रमण एवं बाल मेला :

भारतीय जन सेवा आश्रम द्वारा चलाये जा रहे शिक्षा केन्द्रों के लड़के व लड़कियों को उनके मानसिक विकास हेतु वाराणसी जिले के ऐतिहासिक स्थल सारनाथ में इक्सपोजर विजिट कराया गया जिसमें 90 बच्चों ने भाग लिया। बाल मेला में 320 किशोरीयों एवं 340 किशोरों नें भारतीय जन सेवा आश्रम प्रशिक्षण केन्द्र बदलापुर सरोखनपुर में उपस्थिति दर्ज कराया।

किशोरी लडकियों हेतु कम्प्यूटर सेन्टर का संचालन :

इस वर्ष छः–छः माह हेतु किशोरीयों के लिए कम्प्यूटर कोर्स का संचालन, भारतीय जन सेवा आश्रम प्रशिक्षण केन्द्र सरोखनपुर में किया गया। इसमें रैभानीपुर, बलुआ, लमहन, खजुरन, एवं शाहपुर की किशोरीयों ने हिस्सा लिया। इसमें 120 बालिकाओं ने कम्प्यूटर की शिक्षा ली। इसमें गाँव में स्वास्थ्य की समझ, सरकारी सुविधाओं का लाभ, डिलेवरी आदि पर चर्चा करके रणनिति बनाई गयी।

उक्त कार्यशाला में मनरेगा एवं सूचना के अधिकार पर भी विस्तृत जानकारी उपलब्ध कराकर अगली योजना बनाई गयी क्योंकि ये दोनो एक्ट का अभी पूर्ण रूप से संचालन नही हो पा रहा है।

भूमि के मुददे पर एक दिवसीय कार्यशाला :

भारतीय जन सेवा आश्रम द्वारा दलित समुदाय के भूमि के मुददे हेतु एक दिवशीय कार्यशाला का आयोजन दिनांक 20 सितम्बर– 2015 को किया गया जिसमें लगभग 160 दलित परिवार भूमिहीन लांगों ने भाग लिया। इसमें गांव में बचत जमीन की स्थितियां, पटटा, कब्जा व मालिकाना हक पर चर्चा करके आगे की

रणनिति बनाई गयी। एस0सी0 पी0 के तहत उनको सुविधा का लाभ दिलानें हेतू प्रयास किया गया जिसमें कुछ गरीब परिवार को पटटा का जमीन कब्जा कराया गया।

कार्य उपलब्धता हेतु मनरेगा में आवेदन दाखिला :

जौनपुर जिले के 4 विकास खण्डों में मनरेगा में मजदूरों को नियमतः काम उपलब्ध कराने हेतु 1200 मजदूरों का आवेदन कराया गया। जिसमें लगभग 1050 मजदूरों को 70 से 80 दिन का रोजगार भी उपलब्ध कराया गया और साथ ही साथ रूके हुये पैसे को दिलवाया गया। 300 लोगों को बकाया राशी भी प्राप्त कराया गया।

अन्तराष्ट्रीय मजदूर दिवस :1 मई 2019 को अन्तराष्ट्रीय मजदूर दिवस के अवसर पर एक सम्मेलन का आयोजन भारतीय जन सेवा आश्रम प्रशिक्षण केन्द्र पर किया गया। इसमें मनरेगा यूनियन का निर्माण, मजदूरों की समस्यायें, निराकरण व मजदूरों के साथ हो रहे अत्याचार का निवारण, महिला मजदूरो का शोशण एवं मनरेगा में काम न दिया जाना आदि पर चर्चा की गई एवं भविष्य की रणनिति बनायी गयी। रैली के माध्यम से आवाम को जागरूक भी किया गया।

भूमि एवं श्रम अधिकार :

महात्मा गाँधी रोजगार गारण्टी एक्ट (मनरेगा) एवं सूचना के अधिकार पर कार्यशाला :

संस्था द्वारा कलस्टर वाइज महराजगंज विकास खण्ड में महात्मा गाँधी रोजगार गारण्टी एक्ट (मनरेगा)एवं सूचना के अधिकार पर गैर आवासीय **कार्यशाला** किया गया जिसमें 540 महिला पुरूष भाग लिया ।

पंचायती राज सशक्तिकरण पर कार्यशाला :

भारतीय जन सेवा आश्रम द्वारा संस्था के ही प्रशिक्षण केन्द्र पर **पंचायती राज सशक्तिकरण** पर **कार्यशाला** किया गया जिसमें 490 महिला एवं 210 पुरूषों ने

भाग लिया। इस कार्यशाला में पंचायती राज के नियम कानून व पंचायत ं के अधिकार पर जानकारी देकर उनकी भूमिका एवं आगामी रणनीति पर चर्चा किया गया। साथ ही साथ गांव के विकास के लिए पंचायत की सुविधाओं की जानकारी दी गई।

स्वास्थ्य जागरूकता एवं स्वास्थ्य जाँच शिविर :

जौनपुर जिले के बदलापुर, महराजगंज, धर्मापुर, मुफ्तिगंज ब्लाक में कलस्टर वाईज गाँवों में स्वास्थ्य जाँच एवं जागरूकता शिविर किया गया। जिसमें सरकारी अस्पताल के डाक्टर व नर्स का भी सहयोग लिया गया साथ ही साथ प्राइवेट डाक्टर का भी सहयोग लिया गया। इसमें दलित समुदाय के लोगो को चेकअप भी किया गया एवं दवा वितरण किया गया। साथ ही साथ शिविर के माध्यम से स्वास्थ्य के प्रति जागरूक भी किया गया । इस कार्यक्रम में लगभग 280 पुरूष एवं 520 महिलाओं को जागरूक किया गया एवं दवा की सुविधायें दी गयी।

गर्भवती महिलाओं के साथ बैठक :

जौनपुर जिले के बदलापुर, महराजगंज, धर्मापुर व मुफ्तिगंज ब्लाक के 50 गाँव में गर्भवती माताओं के साथ प्रत्येक माह बैठक किया गया। जिसमें उनके खान–पान, गर्भावस्था के दौरान बरतने वाली सावधानियाँ, समय–समय पर टीकाकरण व प्रसव पूर्व तैयारी आदि पर चर्चा की गयी। पूरे वर्ष के दौरान 280 बैठक की गयी।

कानूनी जागरूकता :

दलित समुदाय को कानूनी रूप से जागरूक करने के उददेश्य से एस.सी./एस.टी. एक्ट, सूचना के अधिकार व मनरेगा दस्तावेज लिखना आदि को सिखाने के उददेश्य से मुरादपुर, मिरषादपुर, रूपचन्दपुर, रैभानीपुर, उदपुर, गेल्हवा आदि गांवो में लगभग 140 लोगों को जागरूक किया गया। साथ ही साथ को भारतीय जन सेवा आश्रम प्रशिक्षण केन्द्र में प्रशिक्षण हुआ जिसमें 70 लोगों ने भाग लिया।

अधिवक्ताओं के साथ बैठक एवं अधिवक्ता फोरम का गठन–

दिनांक 27 मार्च 2016 को अधिवक्ताओं की बैठक जौनपुर में की गयी जिसमें पीडित एवं असहाय लोगो को कानूनी मदद दिलाने हेतु अधिवक्ता फोरम का गठन किया गया जो समय–समय पर पीडित लोगों को कानूनी परामर्श देंगे।

कानूनी सहायता सन्दर्भ केन्द्र का संचालन –

जिला मुख्यालय जौनपुर में एक कानूनी सन्दर्भ केन्द्र का उद्घाटन 20 दिसम्बर 2015 को किया गया जिसमें 500 से अधिक कानून की किताबे हैं। यह एक कानूनी लाईब्रेरी भी है। जहां पर संबंधित अधिवक्ता अध्ययन करते हैं। साथ ही साथ यहां से पीडित लोगो को कानूनी सहायता भी दिया जाता है।

स्टाफ क्षमता वृद्वि :

भारतीय जन सेवा आश्रम के कार्यकर्ताओं के क्षमता वृद्वि हेतु समय पर प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन होता रहा है। जैसे दस्तावेजीकरण, रिर्पोटिंग, प्लानिंग, कार्यो की समझ व खुद की मजबुती आदि पर समझ बनाती रही है। इस सन्दर्भ में जो कार्य हुआ हैं वो निम्न हैं

- बालिका शिक्षा कार्यक्रम के 8 सीनीयर कार्मिको का प्रशिक्षण किया गया है। अनुदशिकाओं का विषय सम्बन्धित बोधात्मक प्रशिक्षण जिसमें प्रत्येक तीन माह में किया गया है।
- **किशोर किशोरी** शिक्षा विकास कार्यक्रम के 26 कार्मिको का जीवन कौशल एवं गांव में गरीब समुदाय के साथ कार्य करने को लेकर दस्तावेज पर प्रशिक्षण वर्ष में दो बार किया गया है।
- एच0 आई0 वी0/एडस जागरूकता कार्यक्रम के कार्मिको का प्रशिक्षण संस्था एवं उत्तर प्रदेश राज्य एडस नियन्त्रण सोसायटी द्वारा वर्ष में तीन तीन माह पर किया गया हैं जिसमें 20 कार्मिको ने भाग लिया है।

- तारा अक्षर जिसमें निरक्षर महिलाओ को हिन्दी एवं गणित कि जानकारी दी जाती है जिसके लिए उन कार्मिको को एक बार 20 दिन का आवासीय प्रशिक्षण दिया गया है।

संस्था के प्रेरण श्रोत :

1. श्री अशोक सिहं सहभागी शिक्षण केन्द्र लखनऊ।
2. श्री बेन्जामिन पुट्टर मिजोरियोर जर्मनी।
3. श्री कपिल भाई पी.जी.वी.पी.एस. गाजीपुर।
4. सुश्री बारबारा, इटली।
5. सुश्री आशा कौताल, एन.सी.डी.एच.आर., नई दिल्ली।

वित्तीय श्रोत :

1. सर दोराब जी टाटा ट्रस्ट, मुम्बई
2. इम्पैक्ट, गुडगांव
3. उत्तर प्रदेष राज्य एड्स नियन्त्रण सोसायटी, लखनऊ
4. डेवलपमेन्ट अल्टरनेटिव (तारा अक्षर), नई दिल्ली
5. आई.एल.सी., इटली
6. स्वाधिकार एन0सी0डी0एच0 आर0, नई दिल्ली
7. मिजोरियोर, जर्मनी

चुनौतियाँ :

- सामाजिक कुरीतिया।
- जातिवाद, छुआ–छूत।
- गरीबी–बेरोजगारी।
- भूमिहीनता एवं भूमि का असमान वितरण।

- सरकारी योजनाओं का सही तरिके से पते तक न पहुचना।

भावी कार्यक्रम :

- दलित एवं महिला सशक्तिकरण
- शिक्षा एवं स्वास्थ्य जागरूकता
- जलवायु परिर्वतन
- पंचायतीराज सशक्तिकरण
- भूमि एवं श्रम अधिकार
- राष्ट्रीय एवं सामाजिक कार्यक्रमो में भागीदारी